

50910

50910

50910

50909 - (मन्तराज व्याख्या -)

50910 - (सुक्ति महानन्दकथा -)

Digitized by Panjab Digital Library | www.panjabdigilib.org

किं भूतं उभदिशु॥ मं प्र उ कं सु उं मे व भव सु उ रि सु य भा॥ सु सुं किं उ
मं द क ल ए व मं डि प्र म य क भा॥ श्री कै र व उ व म॥ म प्र म प्र म द व द्रु
उ इ यं प्र गि प सु उ॥ उ डि गु हं म द गु हं म रु कं मे व म न वे॥ नि ड
य द्वाः भ र भू च किं व र ए सु र ग लः॥ लि सु डि भ व म रि टं न वि म डि प
गं प द भा॥ र क भू पि भ य ए उं मे ह म पि ग ल सु र॥ ये र य र उ ठ व न
सु उं दं सु ठ सु ठ भा॥ उ र उ र भ य ए उं म हं म हं न मं म य॥ व द्रु व म॥
किं प्र ठ व द्रु र उ र उ इ म र भू रि ल य म॥ सु र व द्रु य यं उ र उ र क भू ग
भू म र मः॥ उ इ उ क व यि ए मि भं द र म कं रं प र भा॥ म च सु भ व म सु
क्रु दि भे प र भे म र क व र उ रि भे क भा॥ श्री कै र व म +

Digitized by Panjab Digital Library | www.panjabdigilib.org

मंदलमप्रेतिः इकदविमारा ॥ वृद्धेवमा ॥ एण्कभरणयमयेमत्र
कपडणारिः ॥ मटेमापडभडदलउभडणनरः ॥ सिपिभभडि
इसुतेकजवर ॥ पारि ॥ वीदुसुजलमीलसुवण्णयेतिउपवमा ॥
मटेनसिउकेमसुजकीपिछमिडुपिउः ॥ एणभनारि ॥ सुतेए
रप्रएरियविउः ॥ पकडकभिमकसुदंभः परभदंभकः ॥ मेवण्ड
सुयेलयभहदैकवउपिः ॥ मटेसैवदिवककैभुविधुः प्रय
रुः ॥ किभजंउभदेमरहटेधंलैमयतिउ ॥ पउदुदिपरजययष
अकवपुके ॥ श्रीभदकवउवमा ॥ मरवृद्धतषजंमकृष्टभनंरभंम

यः॥ कषु कं मरुतः प्रैव भुलं भजे मभ मिः॥ अक्ष कं मरु विम्रुति मंदः॥
पुनर्मेदिः॥ अलु रियरुतः मचे भदपमे ॥ पमि ॥ नृहण ति रियं
अलं रियं अक्षं ए चउ॥ रविमति पंगु इमं अक्ष लिङ्ग पंग पंग॥ उरमे
मं मभं मभद पंग मभद मल॥ उरुत ति पउ उचर मभ अति गभ गभ मभ
पउउ क विउं इद कि मरु क उ मि क मि॥ श्री वृद्धे वय॥ मे वृद्धे वभद
वप क मि इ ए ग उ॥ यम अक्षं ए रति कषु कं मं मं मिः॥ कि
भजे भुल भजे कषुं मच ति रिय रः॥ मक्ष मिउं गुं कि छि इ प्र उ
मभार म॥ कक्ष ति उ प्र म उ इ वं ए व भद भुल म॥ उउ म अति र

॥ हृत् चैत्र भ्रापेरमा ॥ अणवत्तु उम मे धे विन्त्र भ्राति परः परः ॥ के मिद्र प्र
तिमाणं के मिद्र प्रतिमा धणः ॥ रम भुष्ट र क के मिद्रु ॥ ज भुष्टि के म
॥ गृष्टि के मं प्र ज व ति यै ग भ ज पर य न्नः ॥ पिव ति व भ म ए भ प सु
ति प्र ॥ वं म य म ॥ उ इ मं प्र ए कं व व मं व णः पी इ या ति मा ॥ कि छि डि
म ति न मं उ पिव ति भा प र म यैः ॥ पी इ भ व्र ति वं उ इ र म उ म प्र रुः प्र
॥ के मिद्र ए रिं ए र व य मं व ॥ भ सु उ ॥ म जि भं म ल र के मिद्र उ
॥ म मि उ र ग ॥ अ ट के मित्र भ ट उ ट ह ट भ द ए क ल रः ॥ भ रु रु ति
भ पं व यं र भ य वि म ए ति मा ॥ कि छि न मि क या ग ह भ्रा प र य रिं

येउ॥ अहेमरु द्रवयं गं रे मं उ कं मर॥ अरु यति उ व उ इ मरु
महेरु मरु भा॥ के मि कु ट मयं मचं ए ग द्र व र ए द्र म भा॥ व च व व क
चा ए प्र म हे द्र र क प ए क॥ इ द्र वि द्र म द्र म रं म र म म म मि क॥
म मि द्रिय म म यं उं रि उं इ हं म म मि उ॥ अ व उ उ क र म म म प म
म प म प॥ म जिं प्र म ल य उ हे वि वि प र म रं म उ व॥ ले म म मि म
व उ यं गि रं व द व म उ व॥ रु म उ मि उ य उ उ ए म उं मं उ व प र॥ म
मि क ल मि क ए द्र कं मि मि रं उ यं गि र॥ अ हे न द म पि ली ल
म द्र यति म द्र म द्र॥ उ डि म्म उ मि म क र म हे य यति यं गि र॥ पि

Digitized by Panjab Digital Library | www.panjabdigilib.org

पञ्चमः नमो भगवते ॥ नमो भगवते नमो भगवते नमो भगवते ॥ नमो भगवते
नमो भगवते नमो भगवते नमो भगवते नमो भगवते ॥ नमो भगवते नमो भगवते
नमो भगवते नमो भगवते नमो भगवते नमो भगवते ॥ नमो भगवते नमो भगवते
नमो भगवते नमो भगवते नमो भगवते नमो भगवते ॥ नमो भगवते नमो भगवते
नमो भगवते नमो भगवते नमो भगवते नमो भगवते ॥ नमो भगवते नमो भगवते
नमो भगवते नमो भगवते नमो भगवते नमो भगवते ॥ नमो भगवते नमो भगवते
नमो भगवते नमो भगवते नमो भगवते नमो भगवते ॥ नमो भगवते नमो भगवते
नमो भगवते नमो भगवते नमो भगवते नमो भगवते ॥ नमो भगवते नमो भगवते

म॥ प्रकृगुमिडमुभनरं पमलव॥ म॥ भदनरुपमं मुहं भववृप
कवलितुभा॥ निभुरं निरुकरं भववृभुवउभापम॥ भदगं परमं
मिहं निहं नरं निरुजलभा॥ निगुरुं भक्तिदिहं भववृभुवउभापम॥
भनरुपमं मुहं भववृभुवउभापम॥ भववृभुवउभापम॥ भववृभुवउभापम॥
वलिउभा॥ निरुलं निरुलं पमभनरुभुवउभापम॥ भववृभुवउभापम॥
इं कुरुव विरुलिउभा॥ गीवृगीवृउगं गीवृगीवृउगं मीपुउएभ॥ भ
इं कुरुव विरुलिउभा॥ गीवृगीवृउगं गीवृगीवृउगं मीपुउएभ॥ भ
इं कुरुव विरुलिउभा॥ गीवृगीवृउगं गीवृगीवृउगं मीपुउएभ॥ भ
इं कुरुव विरुलिउभा॥ गीवृगीवृउगं गीवृगीवृउगं मीपुउएभ॥ भ

भवद्वद्व विवलिउभा॥ परंपर परं देवं भद्वद्व प्रकीडिउभा॥
श्रमश्रीं मरुधुतं वैवउलभा॥ रडिके मउके रडुलंनम
दुउलभा॥ भद्वद्व निरद्वद्व भद्वद्व वैवविउउ॥ नए नंभुनभउउन
गुतः पधुतमुवा॥ नवभेमद्विल्ल मेवनेनं नए नभउउ॥ अत्रिंभुभु
रंमुद्वभवभिकुलयंपरभा॥ पूर्वनिहंमिउंभचंप्रएप्रएविवलिउं
पगभं पगभएभं पधुतंपापभलयभा॥ भवविश्वभंभवभं
कभवल्लिउभा॥ निरउरभविउिनेंकरत्तउरभद्वलभा॥ केवलंके
लंमउंमुद्वभउंउनिअलभा॥ भद्वद्वभनेवद्विभिद्वियगीउगीगरभा॥

५२
अमं गीरभ विस्लेयं निरकरं कलहं भा॥ अमुनीं निगणय भक्ते सुभम
लं प्रवभा॥ अगृह्य भमलं निहम प्रवं निष्कलं उरभा॥ अमं हं सुतिभे ऐ
मं एमं सुक्ते सुभे वम॥ नैव मत्तु भ्राणं कं कडं मयैव भक्तु म॥ नमं हं
गो कं मयैव नवेषु वे प्रु कं उषा॥ नरु वं रु वं कं मयैव नालि पुं नैव लि एउ॥ न
भं सुं एमं प्रु सु न भं नैव र एउ॥ नरु उं नरु विष्ट सु न रु उं नैव मं नृ उ
नृ मं मि रु सु उं सु न मं उं म एमं वम॥ नमि मे वि मि म सु व न भं उं नैव
गो व जि॥ नपे भपे म उं म मि नैव वं उं उषे व म॥ नमि नैव पं म न व द
नम गीर क भ॥ न ए ग न म वे म पुं न म पुं नैव व सु उ॥ नरु वि क वि उं व द रु

Digitized by Panjab Digital Library | www.panjabdigilib.org

ऊं नमः कल्पना ॥ नियम सनक उष्टः दो इपी ० म मे वरा ॥ न प्र ए न म दे म
मु न भ्रं रं म न मे वरा ॥ उद्य ॥ पि रु क द न न ए पे नि य भे पि मा ॥ ए भू प मे
न उष्ट मु न वे इ ले कि क रिया ॥ न क भे न म व रू प भू मः मु तं क यं न
मा ॥ न भ य नै व भे द स न मे कें तं उ भे न मा ॥ न द क र न भ य द न र ग य ग
ए व मा ॥ सु प रु दे र ले ठ स उ ए इ चं म नै स नै ॥ न म भ ए न भि द्वि स नै
ध रं क ल्य प व मा ॥ न भे र भ य न नै व रु रु क पुं उ षै व मा ॥ गु लि क ए रु मि
रु स न प उ ले र पि म र मा ॥ भ र ले स ए रं मे व वि द्वे प भू प नं उ ष ॥ इ
रु उ ग द वे मे वे सु क द ॥ भे द न मा ॥ भू रु नं मे रु ए ल स व प क म उ

षापरभा॥ अमुष्टुमुक्कमपिकमभापरभवमा॥ भवमंष्टुमुष्टु
कुतवेरुलभपरभा॥ नकुदद्विडिकमलिगेमुक्कमलियानिषा॥ न
किष्टिकरयेकुमदएकनएकंतषा॥ नकुदकुंतकजेनकषुपध
पुणन॥ भिदुरभभवेभमंनगद्वीयकुममन॥ भदभिदुज
कंमैवशाभमिगुपुक्कम॥ अरुष्टुमवयमिप्रुंभद
भउम॥ भवकमंपरिहष्टुभउतंएतिवलिउ॥ कुतेमुटभयकु
इरकिष्टिमपिमिउयेग॥ भउमभुनेनसुभमभुनभमभुन॥
भभःमइमभिइमभभलेषुमकषुन॥ निम्लंतिपुतिइम

म० प०:

इकंयष'एल॥भभनिमप्रसंभमभवकुतभयंतष॥भभरुषिस्त्र
कडंयष'अनिउष'पगे॥अरुवरुवभंपत्रेदुठवेगउमेउर॥उमन
मभनःनवनकिस्त्रिमपिमिउयेउ॥विचमेलेकगोश्रीमकंलेदसुप
निगुद॥मभुगेधीनकउटकुठपितभठपितभा॥कंडकेनभरंतडकु
भदनेमंभभ'सूयेग॥कीरुउपे~भवइपदएउभदीउले॥कुंकेनभ
उपे~येनकेनइरुनम॥सिक्कपदएनंउदकुइवषवनपिन॥रुकिउ
यइमोपामिपइमिनभमयेग॥विमिकीएपउझमिनलीवंप'उच
पिंग॥नअलेयएनंउदकुधेनइएयेमपि॥यष'प्रधपमिपूप्रिपुं

Digitized by Panjab Digital Library | www.panjabdigilib.org

Digitized by Panjab Digital Library | www.panjabdigilib.org

ये भो पगपरमेवः भव ह पी निरस्त स॥ उ इ मि डं म भ ण य न कि पि
म पि मि त्र ये ज॥ म मि त्र गु म भू पु उ म न मः प्र स य ज॥ भ द न म कि
उ उ इ म क क म ग प ग॥ न वि म ति भ द भे दं भ द भ य वि भे दि उः॥
मि त्र यो डं म मं मु टं भ नः मु टं उ वे व म॥ भ वं प म ए गं व द न कि पि
म पि मि त्र ये ज॥ ठ व ठ व म ठ व न म के ए ये म गं मि त्र म॥ य म ए
मे य म मं उ म ल म मं म भी दि म॥ उ उ ने न म उ पे र न ठ वं न क
र ये ज॥ म यं द उ म यं क उ म म म म उ म व म॥ र ह मि त्र न क उ व न
म उ उ र म म व॥ म व मि त्र प रि ह ए ह मि त्र मि डं म द ये ज॥ प्र कि

अस्मिन्कंउंपरिस्तरकिस्मिन्पिमिउयेग॥प्रविष्टुष्टमलंभुनंभम
कृपंरिगभयभा॥भवेद्वियरडिंडुनकिस्मिन्पिमिउयेग॥मिउ
मिउविरिभुनंभनस्मिन्डिवलिउः॥भयेमुष्टभुनंभुनकिस्मिन्
पिमिउयेग॥रुमिमिउरकउष्टभममिउउषेवमा॥कभमिउंथ
मिउष्टुनकिस्मिन्पिमिउयेग॥मुष्टमिउनिभंयउः॥मुष्टमिउवि
वलिउः॥विमुष्टपमभयभुनकिस्मिन्पिमिउयेग॥प्रिमुष्टमिउर
कउष्टभनस्मिन्डिवलिउः॥मुष्टमिउंउण्डुचंनकिस्मिन्पिमिउयेग
वैष्णवस्मिन्डिवलिउः॥उमयंस्मिन्डिवलिउः॥उमयंस्मिन्डिवलिउः॥

प्रिमपिमितुयेग॥मितुयेकलयेस्त्रेवभनमंमिडगोगभा॥नधुभइय
ममितुनकिप्रिमपिमितुयेग॥प्रठवेठवरदिधुठठवेगतमेतभ
प्रठवेभभितुकेदेमीभनभष्टेउरवरुत॥भववभविनिमृजभचमितु
विवलिउ॥भउवडिधुडेयेगीभभजेरइमंसय॥नमृषिंदिदियेकुट्य॥
उमरइकंमगन॥उमरयंभमलीरंराभभइचिभष्टा॥उकुपुपीरुव
हिगीरीरुतेउमरमगभा॥येनधुप्रभिमंल्लंभभुरमपुमृगुगउ॥भुरनं
येनविमृतिनमतेउपभनग॥अमंभुइरविमृतेयेदियंनवमनग॥
कपितंभवमभुधनविमृतिकुमम॥उदुद्रमेवभकंनिरकंन

मुता॥ इलेत्तं प्रगितं येन वृद्धं वृद्धं वरं तुरंगमं॥ न विरुति न गम्य प्रहृष्टं
मं वंत्तं भापमं॥ आप नम नल कं भव हृष्टं तुरंगमि तमं॥ अमु पं मद्र
पं कु पं भाप गेम मदे मरमं॥ भट्टं तद्वि नम कं विरुत्तं एम मं वत
प्रवि न्द्रा तुर हृष्ट मर कु पं अत एम॥ अहृष्ट य प्री कं मं अदर मि
मम प्रहृष्टमं॥ न न वल् मम कीलं न न के एम मं नल मं॥ अने कुर क
कं न हल मल मम नल मं॥ पी न वल् त वरं नं अत वल् त वर मं॥
न हल कल लं अत म व निर तुर मं॥ अम पं मद्र ग गं अ प्रु प्रि वि न
न मं॥ श्री वृद्ध व मं॥ की न मं त वरं त वं किं कु पं पं म मं॥ कि म त मं॥

कुतेमेवकुदिमेनिच्चयंप्रमो॥ श्रीमदकैरवउवाम॥ अकमंप्रेमिउं
भचंनिगक्रंयगयगभा॥ यष'कमिउमुमिडेभचं'कमिउभीहूउं॥
उष'नम'सुउउडुंभनम'कमर'वउभा॥ यष'भम'उरेदभक'की'कु
उंनम'रु'उ॥ उष'नम'सुउउडुंनिगल'भंपरं'पमभा॥ क'पुव'दि'सिल
उलं'प'द'गत्रः पय'प'उभा॥ भष'ने'र'वि'र'य'उ'उष'भ'प'प्र'ग'हूउं॥
र'ग'उ'ति'भ'रे'र'इ'यष'नि'म'ल'उ'ग'च'उं॥ म'म'ण'ति'मि'र'म'गू'उ'ष'य
सु'ति'नि'कु'ल'भा॥ वि'दि'उ'नि'कु'ली'क'वे'उ'म'न'मः'पू'स'य'उं॥ पू'व'उ'म'
ति'म'र'म'भ'उ'म'वि'पि'द'उं॥ अ'व'भ'ग'उ'य'गी'च'र'कि'पि'म'पि'पि

उये॥ मस्तुतुदमिनिज्जंभंगौउरुमि कदलः॥ भरेवहुतेवहु
 भवभुगउमेउभः॥ नवहुहुहुपुपुतेउवदिप्येवविहुते॥ एणिवम
 जिहुवेउमुमुहुहुपुभदीउले॥ कीहुतेउवनंभचभुहुंभहुंनभंम
 यः॥ एणिवमजिउयाएउमुनमपमनिम्वयः॥ यहुंनपमुमवुदं
 मुहुचंकषयाभिउ॥ वद्वेवम॥ मुहुमभदलपुहुयेनदेवगमेम
 भ॥ मुहुमहुतिनकीलमहुयेनउनिम्वयः॥ भवगीमभमहुउ
 हुयउमुनकेरव॥ यमयागणिउप्रवंनरभिपुनमेउभ॥ उहुचंभ
 हुलंपुपुंभतेदंदिपगउरु॥ उषरुदिभदमिहुपुंभकरदउरु

श्री
 ७७

माभिउतेयेरहुयेपिरउरुमलकेत्रर॥ कवंभस्रडिदेनपमभगर
लवदभुगभा॥ एउंभमंमयंमेवकेययभभदेसग॥ श्रीकैरवउवम
भयउकविउंमचंभमयंजप्रणकभा॥ भगद्वरठरंगुहंगुहंगुहं
पंगपमता॥ उषापिभसुतेअडिः भवैयकरअयवै॥ कषयभिस्रभ
केदेठजिप्रजैवणगयेउ॥ अद्वरजेनरैवद्वमउधुः धलवहुय॥
धरभजंरविमडिगुऊकंएिमउंगपि॥ भयाविरदभेदेरभंभगरुय
कीरव॥ नउंभंसुडिमेष्टडिउकहकुलिउरग॥ गुनप्राडिकुवेउप
रुमाभु॥ कदमन॥ एउएममदभालिठहुमेरगपिउंभुदभा

[illegible]

श्रीः
१०

एननभेव॥ उष्टुमभमचामिमं विठगीइ परिधग॥ अउपवेअं॥ सुअरसुक
 मःभभुउउति॥ नदिमिइमं विवउइ वकमप्रदकवः प्रषमं विअैरभ
 अकइराकिइरुवमिइलं विभुरे॥ यइपिअैभकअगिणलकुमिष
 पिंकइइ॥ मअमकिदिउउषपिअैभइपणिकअिउिअियकउउद
 भीकरं॥ अैभमीरं एअइरअउइकवअ॥ उषमअइरगीगीअपमः
 रंअउउदभयगीइअैभइपणिकं॥ इअवअमिदेउः अउेणअुमी
 दअमपियइवउदिअुकमअअवयेगयिगिइमिअुकअइरमरक
 वं विगमिअअकवं विदयेपणिकलनयेगमिउिमै॥ अअकवअपनअ

श्री
 ३